Nai Dunia (Indore), 12th September 2023, Nai Dunia City, Page – I

इंदौर में शोध का नया सवेरा

आइआइएम व एक्सेंचर के बीच हुआ एमओयू, बेहतर शोध व नवाचार को देंगे बढ़ावा

आइआइटी में आरंभ हुई टिंकरर्स लैब, इंजीनियरिंग विद्यार्थी कर सकेंगे अनूठे प्रयोग

इंदौर देश का एकमात्र सौभाग्यशाली शहर है, जहां प्रबंधन का दिग्गज संस्थान अर्थात आइआइएम भी है तो प्रौद्योगिकी का दिग्गज संस्थान आइआइटी भी। ये दोनों संस्थान अब अपनी-अपनी तरह से शोध और नवाचार में तेजी से काम करते हुए इंदौर को शोध का नया शाहकार बनाएंगे। दरअसल, आइआइएम ने दिग्गज वैश्विक कंपनी एक्सेंचर के साथ बेहतर शोध के लिए एमओयू किया है, वहीं आइआइटी ने अपने इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को अनूठे प्रयोग कर सकने के लिए टिंकरर्स लैब का शुभारंभ सोमवार को किया है। इन दोनों संस्थानों के प्रयासों से इंदौर मध्य भारत ही नहीं बल्कि देश में भी शोध के मामलों में अलग खड़ा दिखाई देगा।

थ्योरी व प्रैक्टिकल के बीच पाटेंगे अंतर

इनोवेशन और रिसर्च को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम, इंदौर) और एक्सेंचर साल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (एक्सेंचर) के बीच अनुबंध हुआ है। संस्थान के निदेशक प्रो. हिमांशु राय और निदेशक एम्मा जिंदल ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अनुबंध के माध्यम से रिसर्च और शिक्षा के क्षेत्र को नया रूप दिया जा सकेगा। प्रो. हिमांशु राय ने बताया कि संस्थान के साथ रिसर्च और इनोवेशन की इस यात्रा की शुरुआत की जाएगी। आइआइएम ने नालेज शेयरिंग के तहत एक्सेंचर के साथ विभिन्न विषयों पर बातचीत की है। हमें मिलकर दुनिया की व्यावसायिक चुनौतियों का समाधान करना है। इसके लिए दोनों संस्थान जाइंट लेक्चर और डिस्कशन सत्र आयोजित करेंगे। साथ ही रिसर्च के लिए संभावित विषयों पर चर्चा की जाएगी। एक्सेंचकर निदेशक एम्मा जिंदल ने बताया कि अपनी विशेषज्ञता को संस्थान के साथ साझा करने और थ्योरी व प्रैक्टिकल के बीच अंतर को पाटने के लिए हम आइआइएम के साथ मिलकर संयुक्त कार्यक्रम तैयार करेंगे। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को वास्तविक व्यावसायिक क्षेत्र से जुडी समस्याओं को समझने और उनका समाधान खोजने में सक्षम बनाएंगे। दो साल के लिए अनुबंध किया गया है। यह विद्यार्थियों के शैक्षणिक अनुभव और पेशेवरों के विविध दृष्टिकोण को बढ़ावा देगा।

फैकल्टी का भी आदान-प्रदान होगा

प्रो. हिमांशु राय व एम्मा जिंदल

प्रो. राय ने कहा कि आइआइएम और एक्सेंचर इस अनुबंध के तहत अपनी फैकल्टी को भी एक्सचेंज करेंगे ताकि दोनों एक-दूसरे की विशेषज्ञता का लाभ ले सकें। इस प्रकार संस्थान अपनी अकादमिक क्षमता और रिसर्च की योग्यता का भरपूर उपयोग करेगा। उन्होंने कहा कि हम संयुक्त लेक्चर और विमर्श सत्र के माध्यम से भी शोध व नवाचार को बढ़ाएंगे, साथ ही संयुक्त शोध के लिए संभावित विषयों पर चर्चा करेंगे। हमारा प्राथमिक लक्ष्य इनोवेशन को बढ़ावा देना है, जो उन सभी चुनौतियों का समाधान निकालेगा, जिनका सामना देश के उद्योग कर रहे हैं। इसकी शुरुआत हम समस्याओं को समझने से करेंगे। इधर, एम्मा ने कहा कि करार के माध्यम से दोनों संस्थान उद्योग अंतर्दृष्टि, विशेषज्ञता और वैश्विक ज्ञान का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उद्योग में आने वाली समस्याओं का अध्ययन कर उनका समाधान निकालेंगे ताकि उद्योगों को आगे बढ़ने में मदद मिल सके। उन्होंने बताया कि सहयोग एक गतिशील नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र बनाएगा और इस प्रकार दोनों संस्थानों के लिए रुचि वाले क्षेत्रों में ज्ञान का विस्तार करेगा।

इधर...आइआइटी में शुरू हुई टिंकरर्स लैब

आइआइटी इंदौर में प्रो. दीपक फाटक टिंकरर्स लैब का शुभारंभ करने के बाद विद्यार्थी इसके बारे में बताते हुए। ●सौ. संस्था

प्रयोगशाला में नए विचारों को आकार दे सकेंगे विद्यार्थी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर में प्रो. दीपक फाटक टिंकरर्स लैब का उद्घाटन हुआ। इस प्रयोगशाला में इंजीनियरिंग के छात्र-छात्राएं नए-नए प्रयोग कर सकेंगे। इसके लिए अलग-अलग दो संस्थाओं ने आर्थिक सहयोग किया है। आयोजन के मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो. दीपक बी फाटक ने कहा कि लैब में विद्यार्थियों को अपने हाथों से चीजें बनाने व उनके बारे में जानने में आनंद आएगा। इनोवेशन और रचनात्मकता अपने भीतर की प्रतिभा को दिखाती है। यहां विद्यार्थी जो प्रोडक्ट प्रोटोटाइप बनाएंगे, वे किसी एक पाठ्यक्रम से संबंधित नहीं होंगे, बल्कि वे कल्पनात्मक विचारों और रचनात्मक प्रतिभा को जीवन में लाएंगे।

विद्यार्थियों को सलाह- खुद करके सीखो

पद्मश्री प्रो. दीपक बी फाटक ने विद्यार्थियों को सलाह देते हुए कहा कि आगे बढ़ना है तो अपने हाथों से काम करके सीखो और आवश्यकतानुसार बड़ों से सलाह व मार्गदर्शन लो। यहां किए गए काम में जो उत्साह पैदा होता है, वह विद्यार्थियों को जीवन में कहीं बेहतर तरीके से व्यावहारिक समस्या का समाधान करने मदद करेगा। आइआइटी के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि लैब का उद्घाटन संस्थान के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो अगली पीढ़ी के इंजीनियरों की प्रतिभा और सोच को विकसित करने में अहम भूमिका अदा करेगी। यह प्रयोगशाला विद्यार्थियों के लिए शोध और प्रयोग के नए रास्ते खोलेगी।